निरमाण की सोच

ढुंढाड़ी समाज सदां पूरा आदर अर सम्मान कअ साथ खुस रअवअ। समाज नअ वांकी तागत का बारा मअ जाणकारी हअणी चाईजे। वांकी सोच नअ मजबूत बणाबो।

निरमाण को मकसद

सबळी भासा को विकास करबो। वांनअ मजबूत बणार, आत्म-सम्मान अर लम्बा टेम तक भासा नअ बचाबा मअ वांकी मदद करबो।

समाज कअ तोड़ी निरमाण को मकसद

निरमाण अस्यांन का समाज की मदद करअ छ, ज्यो मायड़ भासा बोलअ छ अर वा राज्य की भासा सूं अलग छ। अबार निरमाण सनस्ता अस्यांन का बीस भासा समाज मअ काम कर्री छ, ज्यो भारत का न्यारा-न्यारा इलाका मअ बसेड़ा छ। निरमाण अस्यांन का भासा समाज की सायता करअ छ, ज्यो खुद की भासा लिखेड़ी न हअबा सूं जीवन मअ परेसान्यां को सामनो करर्या छ।

निरमाण की सेवा को सिदान्त

* समाज का लोगां नअ जागरूक करबो।
* समाज का लोगां नअ सिक्सा देर वांको विकास करबो।
* समाज का लोगां मअ जोस पअदा कर'र आगअ ल्याबो।

निरमाण सोसाइटी को काम

* भासा अर संस्करति नअ बडावो देबो।
* मायड़ भासा मअ लोगां नअ साक्सर करबो।
* जेविक खेती-बाड़ी नअ बडावो देबो।

निर्माण भाषा कार्यलय

वार्ड नं. 6, तकिया मस्जिद के पास,
काली हवेली के पीछे,
देशवालियों का मोहल्ला, चाकसू, जयपुर,
राजस्थान–303901
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in
Ph.-01429-243997

nirmaan
empowering communities

ढुँढाड़ी भाषा त्रैमासिक पत्रिका

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

अक्टूम्बर सूं दिसम्बर-2018

भासा अर संस्करति नअ
बडावो देबो

भासा हर आदमी की अपणी पचाण छ। बोलबा का स्याब सूं ही आपां पतो लगा सकां छां कअ यो कस्या इलाका को रअबाळो छ। ढुंढाड़ी भासा, भासा-बिग्यान का स्याब सूं सबसूं चोखी भासा छ। ढुंढाड़ी भासा अर संस्करति समाज की सान छ। ढूंढाड़ मअ रअबाळा लोगां नअ वांकी भासा घणी चोखी लागअ छ। आपणी भासा नअ बडाबा बेई निरमाण सनस्ता सबसूं पअली बीड़ो उठाई छ। या सनस्ता आपणी मायड़ भासा नअ बचार, भासा नअ बडाबा बेई काम करी छ। सनस्ता आपणी भासा नअ सम्मान देबा अर बडाबा बेई बी सायता करी छ। ढूंढाड़ का लोग दूसरा लोगां कअ सामनअ आपणी भासा नअ बडा स्यान सूं बोलअ छ।

भासा नअ बडाबा कअ तोड़ी सनस्ता 'ढुंढाड़ी भासा' मअ सबदकोस त्यार करबो, अ आई, कक्को, बारखड़ी अर गणती की किताबां नअ त्यार करबो, बातां, मुवावरा, कावतां, पेळयां, चुटकला, भजन, लोक-गीत, कविता, साख, चोखा बच्यार, देसी इलाज, बुरायां अर भस्टाचार नअ मेटबो, सरकारी योजना की जाणकारी देबो, ढुंढाड़ी तिमाही पतरिका, कलेण्डर बणार छापबो अर यां सब नअ लिखर साहित्य बी त्यार करी छ।

निरमाण सनस्ता को मकसद छ कअ ढुंढाड़ी भासा समाज कअ तोड़ी मायड़ भासा मअ लोगां नअ पडार वांको विकास करबो, इसकूलां की बडी कक्सा मअ बी मायड़ भासा मअ पडाबो अर आबाळी पीढी नअ जागरूक कर'र वांको विकास करबो छ।

मायड़ भासा मअ लोगां नअ
साक्सर करबो।

साहित्य बणाबा कअ साथ-साथ ही सनस्ता गांवां का बडा-बूडा लोगां नअ, जे पडचा-लिख्या कोनअ वांनअ पडाबा को काम करी छ। ढूंढाड़ नरो बडो इलाको छ। अण्डअ गरीब-भागवान सगळा मनख रअवअ छ। पण ढूंढाड़ मअ अस्या नरा लुगाई-मोटचार छ, जे आज बी अणपड छ। यां सब नअ देखर या सनस्ता मायड़ भासा मअ पडाबा बेई पअल उठाई छ। जिसूं ढूंढाड़ का सगळा लुगाई-मोटचार साक्सर हअ सकअ।

या सनस्ता सबसूं पअली चाड़सू तअसील का च्यार गांवां मअ साक्सरता कक्सा सुरू करी छ, दिनांक - 13-06-2016 जेपरकासपरा मअ, 15-06-2016 मोहम्मदपरा मअ, 20-06-2016 नेणवां की ढाणी मअ अर 23-06-2016 नन्दलालपरा मअ, यां च्यारूं गांवां मअ लोगां नअ पडाबा बेई हर गांव मअ सूं सनस्ता दो-दो माड़साब लगाई छी, ज्यानअ सनस्ता तीन दन तक पडाबा को तरीको बी सखाई छी, ताकि माड़साब गांव का लोगां नअ बडिया पडा सकअ। यां सगळा गांवां मअ साक्सरता की कक्सा मअ 80 लोग नतकई पडबा बेई आवअ छा। ये सगळा लुगाई-मोटचार मायड़ भासा मअ किताबां हअबा सूं बडिया रूची लेर पडचा जिसूं या कक्सा 22 मअना तक चाली जिमअ लगभग 60 लोग साक्सर हिया छा। 60 लोग साक्सर हअबा सूं च्यारूं गांवां का लोग निरमाण सोसाइटी नअ धन्यवाद दिया। आबाळा दना मअ सनस्ता ढुंढाड़ का नरा गांवां मअ बी साक्सरता कक्सा सुरू करअली।

जेविक खेती-बाड़ी नअ
बडावो देबो

ढूंढाड़ मअ जादातर लोग गांवां मअ ईं रअ छ। ढूंढाड़ का लोग मजदूरी कअ साथ-साथ खेती-बाड़ी बी करअ छ। क्यूंकि अण्डअ का लोगां कन खेती-बाड़ी अर मजदूरी ई एक कमाई को साधन छ। अण्डअ का सारा कास्तगार जनम-जात पाळती छ, वअ पाळती जनम-जात खेती करबा का तरीका सूंईं खेती करता आर्या छ। जिसूं पाळत्यां कअ पअदावार कम अर खरचो जादा हअ छ। नरा पाळती पाछली पअदावार खराब हअबा सूं करज मअ डूबेड़ा छ। कद्यां-कद्यां तो पाळती खेती करबा कअ तोड़ी बेंक सूं लियेड़ा लून का रफ्या बी हर साल जमा कोन करा सकअ अर बेंक बी अस्यांन का पाळत्यां सूं जादा ब्याज ले छ, जिसूं वां पीसां को ब्याज हर साल जादा सूं जादा बडतो जार्यो छ अर पाळती करजा मअ डूबतो जार्यो छ। निरमाण सनस्ता समाज का पाळत्यां सूं जेविक खेती करवार पाळत्यां को विकास करी छ। जेविक खेती का तरीका नअ सखाबा बेई सनस्ता गांव-गांव मअ जार मीटिंग करी छ, जिसूं पाळती जेविक खेती का बारा मअ सई सूं सीखर जादा फसल पअदा कर सकअ। पाळत्यां को पाछलो करज चुकबा बेई बी हर आदमी नअ सनस्ता साक्सर करी छ, जिसूं पाळती वांकी फसल नअ बजार मअ चोखा मोल-भाव मअ बेच सकअ अर अपणो स्याब-ताब खुद कर सकअ।

अबार की टेम निरमाण सनस्ता जेविक खेती नअ मेसूर जिला का कुरम्बा अर रास्तान मअ मेवाड़ी समाज कअ बीच मअ करी छ। आबाळा टेम मअ जेविक खेती ढुंढाड़ मअ बी सुरू हअज्याली।